साक्षर भारत

चक्रवात

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण
स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
भारत सरकार

चक्रवात

निर्माण : कार्यशाला में निर्मित

संपादन : राज्य संसाधन केन्द्र, इंदौर

अनुमोदन : विधि एवं न्याय मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित

संस्करण : प्रथम, मार्च 2014

प्रतियाँ : 1000

मूल्य : 20.00 रुपये

© **प्रकाशकाधीन**

प्रकाशक : **राज्य संसाधन केन्द्र, प्रौढ़ शिक्षा**

भारतीय ग्रामीण महिला संघ

महालक्ष्मीनगर, सेक्टर आर, इंदौर-452010, म.प्र.

फोन- 2551917, 2574104 फैक्स- 0731-2551573

email: srcmpindore@gmail.com

web: www.srcindore.com

मुद्रक : सिद्धार्थ ऑफसेट

चक्रवात क्या है ?

चक्रवात एक तूफान है जो बहुत ही तेज आवाज, अंधड़/आँधी और हवा के साथ आता है। यह अपने साथ मूसलाधार बारिश भी लाता है।

चेतावनी संकेत

- आसमान में अंधेरा छाना।
- बिजली कड़कना और चमकना।
- बादल का गरजना।
- लगातार बारिश।

चक्रवात कहाँ से आतें है?

चक्रवातीय तूफान, उष्णकटिबंधीय सागरों जैसे– हिन्द महासागर, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में स्थित सागरों के ऊपर विकसित होते हैं।

चक्रवात की बारंबारता

हिन्द महासागर, बंगाल की खाड़ी एवं अरब सागर में उष्णकटिबंधीय चक्रवात दो खास मौसमों में आते हैं। पहला, अप्रैल से जून और दूसरा, मध्य सितंबर से मध्य दिसंबर।

चक्रवात का वर्गीकरण

चक्रवात के विभिन्न प्रकार हैं जैसे निम्न, दबाव, तूफान और हरिकेन (आंधी)। निम्न चक्रवात आमतौर पर एक से तीन दिनों तक और लगातार होता है। दबाव वाले चक्रवात 2 से 5 दिनों तक रहते हैं। तूफान/आंधी की अवधि 3 से 10 दिनों तक होती है और यह कभी–कभार होता है। हरिकेन (आंधी) 5 से 7 दिनों तक होती है, जो यदा–कदा ही (बिरले) होता है।

चक्रवात के कारण

वायुमंडलीय उथल–पुथल (विक्षोभ) के कारण निम्न दबाव का क्षेत्र बनता है जिससे कि तेज़ और विध्वंसक हवा घूमती है। उष्णकटिबंधीय चक्रवात की शुरूआत के लिए सतह का तापमान आमतौर पर 26.5^0 –27^0 सेंटीग्रेड से अधिक होना ज़रूरी है।

चक्रवात के प्रभाव

- चक्रवात भीषण बाढ़ ला सकता है।
- इससे जान–माल की क्षति के साथ–साथ आर्थिक क्षति भी होती है।
- बिजली आपूर्ति एवं दूरसंचार पूर्ण रूप से ठप हो जाना।
- सड़क एवं रेल यातायात ठहर जाना।
- हवाई सेवा बाधित एवं बंदरगाहों पर काम में अवरोध।

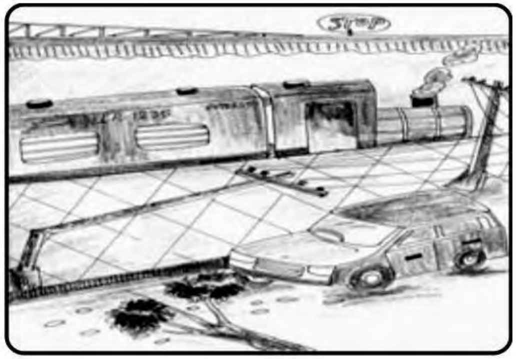

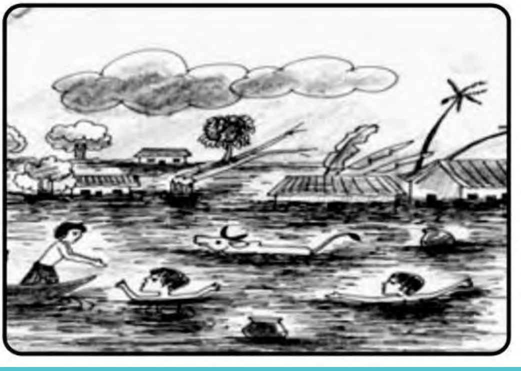

- पेड़ – पौधे टूटकर सड़क पर आ जाते हैं।
- घर टूट जाते हैं, कई लोग बेघर होकर सड़क पर रहने को मजबूर हो जाते हैं।
- पुल, बांध आदि के टूटने से भारी नुकसान होता है।

सावधानी बरतना

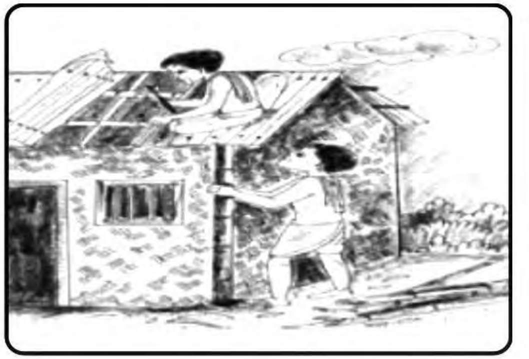

चक्रवात समय शुरू होने से पहले

- आवश्यकता अनुसार मकानों की मरम्मत।
- मकान के नज़दीक क्षतिग्रस्त एवं कमज़ोर पेड़ों को हटाना।

- मकान के बाहर सुरक्षित स्थान पर टूटे–फूटे लोहा–लक्कड़ रखना।
- लकड़ी के पटरों तथा रस्सी/पट्टी को जमाना।
- रेडियो/ट्रांज़िस्टर चालू हालत में रखना।
- लालटेन, केरोसिन तेल, टॉर्च, मोमबत्ती एवं अतिरिक्त बैटरी रखना।

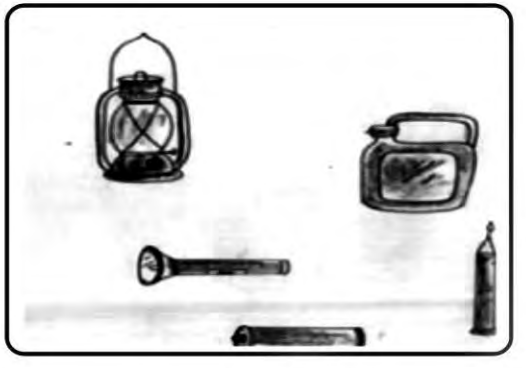

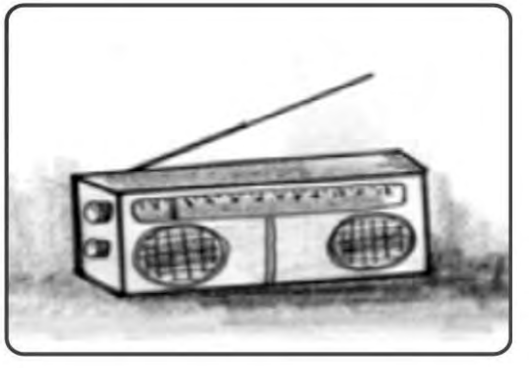

टेलीफोन नंबरों को रखना

पुलिस स्टेशन

अग्निशमन

अस्पताल

- आपदा से बचाव, शमन (मिटीगेशन), तैयारी और क्षमता निर्माण हेतु कदम उठाने के लिए लोगों को जागरूक करना।
- ब्लड ग्रुप के बारे में जानकारी रखना।

चक्रवात आने की चेतावनी मिलने के बाद

रेडियो में सभी चेतावनी/बुलेटिनों को लगातार सुनना एवं दूसरों को जानकारी देना।

पर्याप्त मात्रा में सूखा खाद्य पदार्थ, पीने का पानी एवं आवश्यक दवा जमा रखना।

चक्रवात आने की चेतावनी मिलने के बाद

चक्रवात प्रभावित स्थान से लोगों और पालतू पशुओं को सुरक्षित स्थान पर ले जाना।

कीमती वस्तुओं एवं कागज़ातों जैसे–ज़मीन रिकॉर्ड, राशन कार्ड, बी.पी.एल. कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, पहचान पत्र इत्यादि को प्लास्टिक के पैकेट/बक्सों में रखना।

- सभी दरवाज़ों, खिड़कियों का खुलना सुनिश्चित करना।
- कम्बल, कपड़े, रूई, बैंडेज साथ में रखना।
- मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह देना।
- नौका, बेड़ा को बांधकर सुरक्षित स्थानों पर रखना।

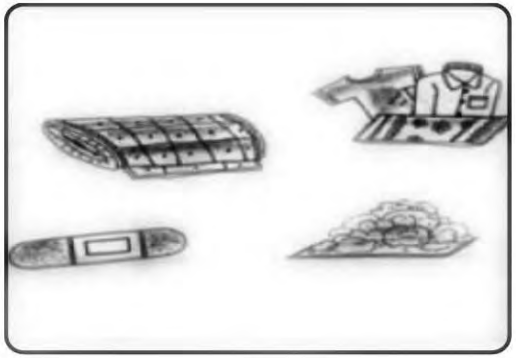

चक्रवात के दौरान

- लालटेन, केरोसिन, टॉर्च, मोमबत्ती, अलग से बैट्री, इमरजेंसी लाईट को सुरक्षित एवं पहुँच में रखना।
- काँच की खिड़की एवं दर्पण से दूर रहना।
- नदी के किनारे से दूर रहना।
- लगातार चेतावनी समाचार/बुलेटिन सुनना।
- स्वयं एवं दूसरों को संयमित करना। शांत रहना।
- जब तक स्थान खाली करने की सलाह न दी जाए तब तक इधर–उधर बाहर न निकलना।
- गाड़ी रोककर एवं सुरक्षित स्थानों पर लगाना।
- मकान के ऊपरी तल पर न जाएं, ज़मीनी तल पर रहना।

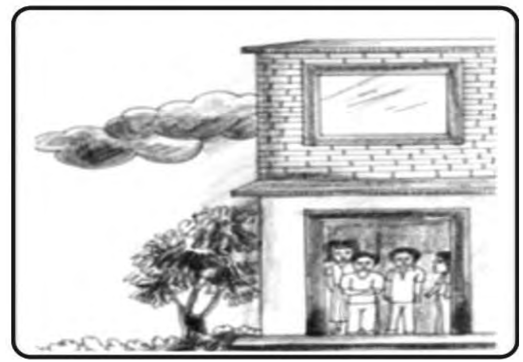

चक्रवात के बाद

- राहत कार्यों में सहयोग और देखभाल करें।
- स्वयंसेवी की तरह राहत कार्यों में समन्वय करें।
- स्थानीय प्राधिकार एवं राहत कर्मियों एवं एन.जी.ओ. के साथ संपर्क में रहें।
- मौसम बुलेटिन सुनें तथा दूसरों को सूचित करें।
- स्थानीय अधिकारियों और आपातकालीन कार्यकर्ताओं की सलाहों को सुनें।

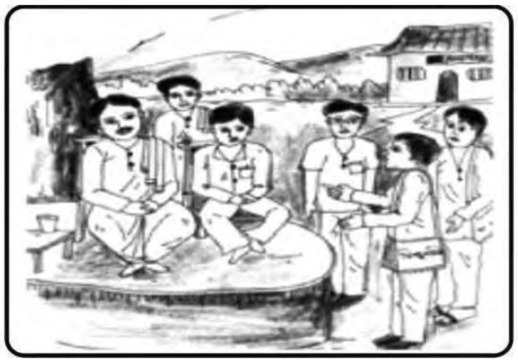

- टूटे–फूटे काँच एवं अन्य धारदार वस्तुओं से सावधानी बरतना।
- टूटे–फूटे मकानों की मरम्मती करना।
- जाने–आने का रास्ता साफ रखना।
- सहायता एवं प्राथमिक उपचार प्रदान करना।
- बाढ़ क्षेत्र से दूर रहना।
- मछुआरों को मछली पकड़ने के लिए कम से कम 24 घंटे इंतजार करना चाहिए।

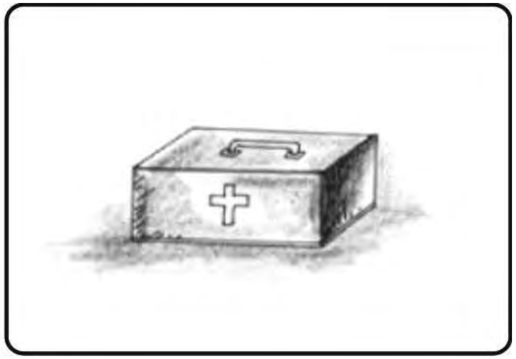

चक्रवात से बचाव की पूर्व तैयारी –

- रक्तदाताओं की सूची बना लें। सभी को आपात स्थिति में तैयार रहने को कहें।
- पशुओं को सुरक्षित स्थान पर भेजने की व्यवस्था करें।
- युवाओं का समूह बनाकर उसे प्रशिक्षित करें।
- कुछ सदस्यों को प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दें।

साक्षर भारत

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण
स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
भारत सरकार